



-2-

11 अ. क्र 27/02 का 110 ए. र. के धारा 2(1) के अन्तर्गत अर्पण/

3 संबंधित अधिनियम अधिनियमों की धारा धाराओं और उक्त अपराध/अपराधों का संक्षिप्त विवरण जिनके जिनके लिए अभ्यर्थी आरोपित किया गया है 1 320 1243 / 89 70610 147 / 98 / 199 / 007 100 का 210 व. ध. नं. 10057

4 न्यायालय जिनके जिनके द्वारा आरोप आरोपों की विवरण की गई 1 न्यायालय जिनके अन्तर्गत अर्पण/अपराध/अपराधों का 210 व. ध. नं. 10057

5 तारीख तारीखें जिनको आरोप विवरित किया गया था/किस गये थे 1 01-02-01 को अर्पण/अपराध/अपराधों का 210 व. ध. नं. 10057



6 क्या अभी या कोई कार्यवाही किसी क्लम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा रोक गयी है 1 नहीं

7 मुझे किसी अपराध/अपराधों लोक प्रतिनिधित्व 1951 1951 का 43 की धारा 8 की उपधारा 1 या उपधारा 2 में निदिष्ट या उपधारा 3 के अन्तर्गत आने वाले किसी अपराध/अपराधों से भिन्न के लिए तिरहोज ठहराया गया है/ नहीं ठहराया गया है और एक वर्ष या अधिक के लिए कारावास से दण्डादिष्ट किया गया है/ नहीं किया गया है।

धीरे-धीरे प्रताप सिंह



2RS

-3-

यदि अभिज्ञाही उपर्युक्त रूप से सिद्धोप उदहराया गया और
दण्डादिदंड किया गया है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत
करेगा।

1] मासला / प्रथम सुपना रिपोर्ट संख्या-----

2] न्यायालय जिसने दण्डित किया है-----

3] पुलिस थाना/थाने----- जिला/जिले-----
राज्य-----

4] संबंधित अधिनियम/अधिनियमों की धारा धाराएं और
उस अपराध/उस अपराधों का संक्षिप्त विवरण जिले/जिनके
लिए अभ्यर्थी कभी आरोपित किया गया है-----

5] तारीख/तारीखें जिनको दण्ड देना चुनाया गया था/चुनाये गये
थे-----



धीरेन्द्र प्रताप सिंह

7
304
5
2
31
2007



-4-

[6] क्या दण्डादेशां स्वयं अधिकारिता वाते न्यायालय द्वारा
रोका गया है/रोके गये है _____ X

स्थान—सी०डा० रुयेरी
दिनांक—13.11.03

—धीरेन्द्र प्रताप सिंह
अभिशाही के हस्ताक्षर



सत्यापन

मैं जमर नामित अभिशाही यह सत्यापित और घोषित करता/करती
हूँकि इस प्रमथ पत्र की अन्तर्वस्तु मेरे सर्वात्म ज्ञान और त्रिकवात
के अनुसार सत्य और सही है और इसका कोई भाग मिथ्या नहीं
है और कोई तार्किक बात छिपायी नहीं गई है।

सी०डा० रुयेरी स्थान-मर आज तारीख 13.11.03

को सत्यापित किया।

—धीरेन्द्र प्रताप सिंह
अभिशाहीके हस्ताक्षर

ASB PRINCE TOWER
13/11/03
B111/03
13/11/03

टिप्पणी: इस प्रूप के दो स्वाम्भ जो अभिशाही को लागू प्रवर्तित
काट दिए जाएं।

Fidelity R. Desai
Part of the
a...
13/11/03

नाम निर्देशन पत्र के साथ अभ्यर्त्री द्वारा रिटर्निंग आफिसर के समक्ष प्रस्तुत किया जाने वाला अपथ पत्र

14- गौण्डा स्थानीय प्राधिकारी से विधान परिषद में, अभ्यर्त्री, सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी श्रीरंजित प्रताप सिंह पुत्र श्री दत्त प्रताप सिंह आयु 38 वर्ष --- निवासी ज्वा. ल. पो. गैजहवा जंम बलरामपुर उपरोक्त निर्वाचन में सत्यनिष्ठा पूर्वक प्रतिज्ञान और निम्न प्रकार से स्तद्वारा अपथ लेता हूँ: - जो लागू न हो उसे काट दें

- निम्नलिखित मामला/मामले मेरे विरुद्ध लम्बित है, जिसकी न्यायालय को जानकारी है :
 - अधिनिषम की धारा और अपराध का विवरण, जिसकी न्यायालय को जानकारी है:
 - न्यायालय जिसको जानकारी है : सम्पूर्ण चित्तखण अपथ पत्र नोटरी द्वारा दर्शाया गया है।
 - मामला सं०:
 - जानकारी रखने वाले न्यायालय के आदेश की तारीख:
 - संज्ञान रखने वाले उपरोक्त आदेश के विरुद्ध संगोधन के लिए दाखिल की गई अपील/अपीलों/आवेदन/आवेदनों आदि, यदि कोई है के विवरण:
- कि मैं इसके द्वारा अपना, पति/पत्नी तथा अपने आश्रितों की परिसम्पत्तियों अचल/चल बैक जमा आदि का विवरण इसके नीचे दे रहा हूँ।
 - चल परिसम्पत्ति के विवरण
 - संयुक्त स्वामित्व के विस्तार को बताते हुए संयुक्त नाम में परिसम्पत्तियों को भी बताना हों

क्रम सं०	विवरण	स्वयं	पति/पत्नी का नाम	आश्रित-1 का नाम	आश्रित-2 का नाम	आश्रित-3 का नाम
1	नकद					
2	बैंक, वित्तीय संस्थानों और गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों में जमा धनराशि	50000				
3	कंपनियों में बांड, डिबेंचर और शेयर	*				
4	अन्य वित्तीय साधनों एन. एस. एस. डाक बचत, स्ल. आइ. सी. पालिसी आदि	210959877 210355270 210203364 210203265 210203479 210203576 210203675 400000				
5	मोटर वाहन/कम्पनी मॉडल आदि का विवरण	8008 25				
6	गृहने/भार तथा कीमत का विवरण दे	50000				
7	अन्य परिसम्पत्तियां जैसे दावे की कीमत/ब्याज					

टिप्पणी: सूचीबद्ध कम्पनियों के सम्बन्ध में बांड/शेयर/डिबेंचर की कीमत, स्टॉक एक्सचेंज की अद्यतन बाजार कीमत के अनुसार तथा गैर सूचीबद्ध कम्पनियों के मामलों में बांती के अनुसार दीजा

3. मैं, सांख्यिक वित्तीय संस्थानों और सरकारी देनदारियों को बकाया अपनी देयताओं/अति देयताओं का विवरण नीचे दे रहा हूँ:-

१ टिप्पणी: कृपया प्रत्येक मद के लिए अलग विवरण दें

क्रम संख्या	विवरण	बैंक/वित्तीय संस्थान/संस्थानों/विभाग/विभागों का नाम और पता	दिनांक का बकाया राशि
१	बैंक से ऋण	—	—
२	वित्तीय संस्थानों से ऋण	—	—
३	सरकारी देयताएं/आयकर और सम्पत्ति कर के अतिरिक्त किसी सार्वजनिक कार्यालय में काम कर रहे हों या काम कर चुके हों, की स्थिति में "नोड्यू" प्रमाण-पत्र स्वीकृत किया जाए	—	—
४	अधिभार सहित आयकर जिस वर्ष तक आयकर विवरण दाखिल की गई, उस निर्धारण वर्ष का भी उल्लेख करें। अपना स्थायी लेखा नम्बर ए. एन. पैन भी दें	कॉमिन् 49-A 2002, 2003 दाखिल पैन नही मिला है।	
२	सम्पत्ति कर सम्पत्ति की विवरण जिस निर्धारण वर्ष तक दाखिल की गई उसका भी उल्लेख करें	—	
३	बिफ्री कर केवल, साम्पत्तिक व्यवसाय के मामले में	—	
४	सम्पत्ति कर	—	

4. मेरी बैंकिंग योग्यताएं निम्नलिखित हैं:-

स्कूल/विश्वविद्यालय का नाम तथा वर्ष स्कूल तथा विश्वविद्यालय का विवरण दें का विवरण भी अवश्य दें जिस वर्ष वह कोर्स पूरा किया गया था

एम. ए. (एम. एल. के महाविद्यालय-बलरामपुर वर्ष 1985)

इस ओपन विश्वविद्यालय-फैजाबाद

सत्यापन—

अभिज्ञाक्षी

— श्री प्रताप सिंह

मैं, उपर्युक्त नाम का अभिज्ञाक्षी, इसके द्वारा यह सत्यापित करता हूँ और यह घोषणा करता हूँ कि इस शपथ पत्र की विषय वस्तु मेरे विश्वास और जानकारी में सत्य और सही है और इस का कोई भी भाग गलत नहीं है और कुछ महत्वपूर्ण इसमें छिपाया नहीं गया है।

वर्ष..... 2003 के 11..... दिन को 13..... स्थान पर सत्यापित

— श्री प्रताप सिंह

अभिज्ञाक्षी